ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-३५
दिनांक- शुक्रवार, २९ मई, २०२०

## विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३२.७ एवं २०.३ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ७० प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ४५ प्रतिशत, हवा की औसत गति १२.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ३.० मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ९.२ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २८.३ एवं दोपहर में ३३.७ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में १४.२ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

## मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
## (३० मई - ०३ जून, २०२०)

- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ३० मई -०३ जून तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-
- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार में हल्के बादल देखे जा सकते है। मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले २-३ दिनों तक वर्षा की संभावना बनी रहेगी। इस अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में अनेक स्थानों पर हल्की वर्षा हो सकती है। वर्षा के दौरान हवा की रफतार तेज हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३६ से ३९ डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान २४-२८ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। अधिकतम तापमान में गिरावट आ सकता है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन १४-१८ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ७५ से ८५ प्रतिशत तथा दोपहर में ३० से ४० प्रतिशत रहने की संभावना है।

## • समसामयिक सुझाव

- खरीफ प्याज की खेती कें लिए नर्सरी (बीजस्थली) की तैयारी करें। स्वस्थ पौध के लिए र्नसरी में गोबर की खाद अवश्य डाले। खरीफ प्याज के लिए एन०-५३, एग्रीफाउण्ड डीक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर किस्में अनुशंसित है। बीज गिराने के पूर्व बीजोपचार कर लें। बीज की दर ८-१० कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर रखें।
- लीची तोड़ने के बाद लीची के बगीचों की जुताई कर खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग करे। प्रति प्रौढ़ पेड़ ६० से ८० किलोग्रम कम्पोस्ट अथवा गोबर की सड़ी खाद, २.५ किलोग्रम यूरिया, १.५ किलोग्रम सिंगल सुपर फॉसफेट, १.३ किलोग्रम म्युरेट ऑफ पोटाश तथा ५० ग्राम सुहागा के मिश्रण को बृक्ष के पूरे फैलाव में समरुप बिछा कर मिट्टी में मिला दें।
- लम्बी अवधि वाले धान के किस्मो जैसे- राजश्री, राजेन्द्र श्वेता, स्वर्णा, स्वर्णा सब-१, सत्यम एवं किशोरी की नर्सरी गिराने का काम करें। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु ८००-१००० बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौराई १.२५-१.५ मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार रखें। बीज को गिराने से पहले बविस्टिन २.० ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से बीजोपचार करें।
- अदरक की बुआई करें। अदरक की मरान एवं नदिया किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है। खेत की जुताई में २५ से ३० टन गोबर की सड़ी खाद, नेत्रजन ३० से ४० किलोग्राम, स्फूर ५० किलोग्राम, पोटास ८० से १०० किलोग्राम जिंक सल्फेट, २० से २५ किलोग्राम एवं बोरेक्स १० से १२ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे। अदरक के लिए बीज दर १८ से २० क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रकन्द का आकार २०-३० ग्राम जिसमें ३ से ४ स्वस्थ कलियाँ हो। रोपाई की दुरी 30x20 से०मी० रखे। अच्छे उपज के लिए रीडोमिल दवा के ०.२ प्रतिशत घोल से उपचारित बीज की बुआई करें।
- खरीफ मक्का की बुआई के लिए मौसम अनुकुल है। इसके लिए सुआन, देवकी, शक्तिमान-१, शक्तिमान-२, राजेन्द्र संकर मक्का-३, गंगा-११ किस्मों की बुआई करें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर ३० किलो नेत्रजन, ६० किलो स्फुर एवं ५० किलो पोटाश का व्यवहार करें। प्रति किग्रा० बीज को २.५ ग्राम थीरम द्वारा उपचारीत कर बुआई करें। बीज दर २० किग्रा० प्रति हेक्टेयर रखें।
- हरी खाद के लिए सनई और ढ़ैचा की बुआई करें। मूंग, उरद की तैयार फलियों की तुड़ाई कर ले तथा हरी खाद हेतु उसके पौधों को मिट्टी पलटने वाले हल से जमीन में गाड़ दें।
- पशुओं के चारा के लिए ज्वार, बाजरा तथा मक्का की बुआई करें। इसके साथ मेथ, लोबिया तथा राईस बीन की बुआई अन्तर्वती खेती में करने से चारे की गुणवता बढ़ जायेगी तथा दुधारु पशुओं के लिए पौष्टिक चारा प्राप्त होगा। पशुओं के प्रमुख रोग एन्थ्रेक्स, ब्लैक क्वार्टर (डकहा) एवं एच०एस० (गलघोंटू) से बचाव के लिए पशुओं को टीके लगावें।

| | |
|---|---|
| आज का अधिकतम तापमानः ३३.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ३.६ डिग्री कम | आज का न्यूनतम तापमानः २०.७ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ४.२ डिग्री कम |

(डॉ० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी